**माध्यस्थम अधिनियम की धारा 11 (1) सपठित धारा 12(1) के अधीन आवेदनपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**अति सादर पूर्वक प्रदर्शित करता है -**

1. यह कि याची एवम् प्रत्यर्थी के बीच हुए करार ................ को देखें, यह करार किया गया कि हुई संविदा की बाबत पैदा होने वाले किसी भिन्न मामले में एक निर्देश करार पक्षकारों की सहमति द्वारा नियुक्त किये जाने वाले एक मध्यस्थ को दिया जायेगा।
2. यह कि कथित माध्यस्थम करार की एक प्रतिलिपि इसके साथ उपाबद्ध की जायेगी और उपबन्ध................... के रूप में चिन्हित की जायेगी।
3. यह कि माध्यस्थम करार के याची एवम् प्रत्यर्थी के बीच मतभेद पैदा हो जाने के कारण श्री .................. पक्षकारों की सहमति द्वारा मध्यस्थ के रूप में नियुक्त किया गया।
4. यह कि करार के निबन्धनों में मध्यस्थ को उसकी नियुक्ति की सहमति द्वारा मध्यस्थ के रूप में नियुक्त किया गया।
5. यह कि मध्यस्थ ग्रहण करने में संपूर्ण प्रेषण तथा निर्देश सहित कार्यवाहियों का प्रयोग करने तथा उसमें एक पंचाट करने में असफल हो गया है।

**प्रार्थना**

यह अतिसादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि मध्यस्थ हटा दिया जाय तथा कतिपय अन्य व्यक्ति जिसको यह आदरणीय उपयुक्त तथा उचित समझे, मध्यस्थ के हटाये जाने के द्वारा इस प्रकार कारित की गयी रिक्त को भरने के लिए नियुक्त कर दिया जाय।

यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

आवेदक

जरिये अधिवक्ता

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

मैं.................. निवासी .................. निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् घोषणा करता हूँ -

1. यह कि मैं इस मामले में .................. हूँ और अतएव इस शपथपत्र पर शपथ लेने में सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तुएं सत्य एवम् सही है।

शपथकर्ता

**सत्यापन**

में .................................................. इस तारीख .................. को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तुएं मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य एवम् सही है।

शपथकर्ता